सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

# जालंधर ब्रीज

**प्रेरणा**

"मौके का इंतज़ार मत करो, खुद मौका बनाओ।"

**साप्ताहिक मौसम**

| दिन | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| शुक्रवार | 32° | 20° |
| शनिवार | 33° | 21° |
| रविवार | 34° | 22° |
| सोमवार | 35° | 23° |
| मंगलवार | 36° | 24° |
| बुधवार | 35° | 23° |
| वीरवार | 34° | 23° |

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 17 APRIL TO 23 APRIL 2026 • VOLUME 39 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

### महिला आरक्षण बिल पर मोदी की विपक्ष को चेतावनी-

# विरोध की लंबी कीमत चुकानी पड़ेगी

**नई दिल्ली.** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में कहा कि हम सब भाग्यवान हैं कि ऐसे महत्वपूर्ण और देश की आधी आबादी को नीति निर्धारण प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक राजनीतिक स्वरूप के साथ देश की दशा और दिशा तय करने वाला है। मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है; अतीत में जिन्होंने विरोध किया, महिलाओं ने उन्हें माफ नहीं किया। मोदी ने कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ महत्वपूर्ण पल आते हैं, और उस समय की समाज की मन स्थिति एवं नेतृत्व की क्षमता उस पल को कैप्चर कर एक राष्ट्र की अमानत बना देती हैं, एक मजबूत धरोहर तैयार करती हैं। भारत के संसदीय इतिहास में ये वैसा ही पल है। आवश्यकता तो ये थी कि 25–30 साल पहले, जब ये विचार सामने आया तभी इसे लागू कर देते। आज हम इसे काफी परिपक्वता तक पहुंचा देते। आवश्यकतानुसार उसमें समय समय पर सुधार होते और यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी सांसद इस महत्वपूर्ण अवसर को जाने न दें। हम भारतीय मिलकर देश को नई दिशा देने जा रहे

हैं। हमारी शासन व्यवस्था को एक संवेदनशीलता से भरने का एक सार्थक प्रयास करने जा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह देश की राजनीति के रूप-स्वरूप को तय करने के साथ देश की दिशा और दशा भी तय करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं मानता हूं कि विकसित भारत का मतलब, सिर्फ उत्तम प्रकार की रेल, कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर, रास्ते या कुछ आर्थिक प्रगति के आंकड़े सिर्फ इतने से विकसित भारत की सीमित कल्पना वाले हम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि विकसित भारत के नीति निर्धारण में सबका साथ–सबका विकास का मंत्र समाहित हो। देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या देश की नीति निर्धारण का हिस्सा बने, ये समय की मांग है। हम पहले ही देरी कर चुके हैं, कारण कुछ भी हो, जिम्मेदार कोई भी हो। इसे हमें स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जब से महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई और उसके बाद जब-जब चुनाव आया है, महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है, महिलाओं ने उसे माफ नहीं किया है। 2024 के चुनाव में ऐसा नहीं हुआ, ऐसा इसलिए नहीं हुआ क्योंकि तब सबने सर्वसम्मति से इसे पारित किया तो यह विषय ही नहीं रहा।

मोदी ने कहा कि अगर हम सब साथ आ जाते हैं, तो इतिहास गवाह है, ये किसी एक के राजनीतिक पक्ष में नहीं जाएगा। ये देश के लोकतंत्र के पक्ष में जाएगा, देश की सामूहिक निर्णय शक्ति के पक्ष में जाएगा और हम सब उस यश के हकदार होंगे। न ट्रेजरी बैंक उसका हकदार होगा और न ही मोदी उसका हकदार होगा। इसलिए जिन किसी को भी इससे राजनीति की बू आ रही है, वो पिछले 30 साल के खुद के परिणामों को देख लें। फायदा उनका भी इसी में है। जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाआगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज से 25–30 साल पहले, जिन्होंने महिला आरक्षण का विरोध किया वो विरोध राजनीतिक सतह से नीचे नहीं गया था। आज ऐसा समझने की गलती मत करना। पिछले 25–30 साल में ग्रास रूट लेवल पर पंचायती चुनाव व्यवस्थाओं में जीत कर आईं बहनों में एक पॉलिटिकल कॉन्शियसनेस है। पहले वो शांत रहती थीं, समझती थीं लेकिन बोलती नहीं थीं। आज वो वोकल हैं। इसलिए आज जो भी पक्ष विपक्ष होगा, वो लाखों बहनें जो पंचायत में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, लोगों के सुख-दुख को गहराई से देखा है, वो आंदोलित हैं। वो कहती हैं कि झाड़ू कचरा वाले काम में तो हमें जोड़ देते हो, अब हमें निर्णय प्रक्रिया में जोड़ों और निर्णय प्रक्रियाएं विधानसभा और लोकसभा में होती हैं। इसलिए राजनीतिक जीवन में जो लोग प्रगति चाहते हैं, उनको ये मानकर चलना पड़ेगा कि पिछले 25–30 साल में ग्रास रूट लेवल पर लीडर बन चुकी हैं। वो सिर्फ यहां नहीं, वहां भी आपके फैसलों को प्रभावित करने वाली हैं। जो आज विरोध करेंगे, उन्हें लंबे समय तक कीमत चुकानी पड़ेगी।

## अमित शाह की दक्षिण को गारंटी- 'एक भी सीट कम नहीं होगी, बढ़ेगा प्रतिनिधित्व'

**नई दिल्ली.** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है कि परिसीमन के बाद लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व घट जाएगा, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तव में उनकी संख्या बढ़ेगी। उनके अनुसार, लोकसभा में दक्षिणी राज्यों की संख्या बढ़कर 195 हो जाएगी। संसद के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है और भ्रम पैदा किया जा रहा है कि ये तीन विधेयक, संवैधानिक संशोधन विधेयक और परिसीमन तथा चुनाव प्रक्रियाओं में बदलाव से संबंधित दो कानून, लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर देंगे और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाएंगे। सदन के समक्ष प्रस्तुत विधेयक अब सदन की संपत्ति है।

शाह ने कहा कि सीटों में समग्र वृद्धि से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी राज्य पूर्ण रूप से अपना मौजूदा प्रतिनिधित्व न खोए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य विस्तारित लोकसभा के माध्यम से जनसंख्या परिवर्तनों को समायोजित करते हुए निष्पक्षता बनाए रखना है। शाह ने कहा कि यदि हम दक्षिण के लिए बनाए गए पूरे विवरण को सुनें, तो आपके द्वारा सृजित 543 सीटों में से वर्तमान में 129 सांसद इस सदन में बैठे हैं, जो लगभग 23.76% है। नए सदन में 195 सांसद बैठेंगे, और उनकी शक्ति 23.97% होगी।

शाह ने कहा कि ऐसी धारणा पैदा की जा रही है कि इन तीनों विधेयकों के पारित होने से दक्षिण राज्यों की संख्या लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी और उन्हें बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा कि कर्नाटक में अभी

28 लोकसभा सीट हैं जो कुल 543 सीट का 5.15 प्रतिशत हैं, लेकिन ये विधेयक पारित होने के बाद कर्नाटक के सदस्यों की संख्या 42 हो जाएगी जो कुल 816 सीटों का 5.14 प्रतिशत होगी। शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अभी 25 लोकसभा सीट हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.6 प्रतिशत है जो परिसीमन के बाद 38 (4.65 प्रतिशत) हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा सीट की संख्या 17 (3.13 प्रतिशत) है, जो बाद में 26 (3.18 प्रतिशत) हो जाएंगी।

शाह ने कहा कि मैं तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त करना चहता हूं कि उनके प्रतिनिधित्व में भी कोई कमी नहीं आएगी और राज्य को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अभी राज्य के 39 सदस्य (7.18 प्रतिशत) हैं जो परिसीमन के बाद 59 (7.23 प्रतिशत) हो जाएंगे। शाह ने कहा कि लोकसभा में अभी केरल का प्रतिनिधित्व 6.38 प्रतिशत है जो बढ़कर 3.67 प्रतिशत (30 सीट) हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर अभी दक्षिणी राज्यों से 129 लोकसभा सदस्य आते हैं और उनका प्रतिनिधित्व 23.76 प्रतिशत है, जो 50 प्रतिशत वृद्धि के बाद 195 सीट और 23.97 प्रतिशत यानी 24 प्रतिशत हो जाएगा।

## बटाला का होगा कायाकल्प, सीएम मान ने की 177 करोड़ की परियोजनाओं की घोषणा

• **जालंधर ब्रीज.** बटाला

पंजाब के ऐतिहासिक शहरों में शामिल बटाला के कायाकल्प के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को 177 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा की। ऐतिहासिक नगर के बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं की घोषणा करके मुख्यमंत्री ने सत्ता का सुख भोग चुकी पिछली सरकारों को कड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। यहां की नगर निगम द्वारा 95.72 करोड़ रुपये के विकास कार्य किये जाएंगे, मंडी बोर्ड द्वारा 16.05 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे और लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के निर्माण पर 65.09 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा सड़कों के नवीनीकरण पर मंडी बोर्ड 42.56 करोड़ रुपये जबकि लोक निर्माण विभाग 34.97 करोड़ रुपये खर्च करेगा। बटाला हलके में चार नए पुल बनेंगे और नई पुलिस लाइन के लिए 14.81 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के लोगों ने साल 2022 में अकाली-कांग्रेस की तीन पीढ़ियों से चल रही लूट का अंत कर दिया और साल 2027 में भी उन्हें वापसी नहीं करने देंगे, जबकि पिछली सरकारों पर खुद को बचाने के लिए जानबूझकर बेअदबी विरोधी कानूनों को

कमजोर करने का आरोप लगाया।

कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'अकालियों ने जानबूझकर बेअदबी के खिलाफ कमजोर कानून बनाया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घिनौने अपराध के दोषियों को उनके पापों की सजा न मिले।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने जगत जोति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया है, जिसमें बेअदबी के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। मनीष सिसोदिया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।' उन्होंने लोगों से अपने वोटों के सुचारू उपयोग करने की अपील की। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, वरिष्ठ 'आप' नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, विधायक अमनशेर सिंह शेरी कलसी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

### आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

## 4 हैंड ग्रेनेड और दो पिस्तौल सहित एक आरोपी अमृतसर से गिरफ्तार

**अमृतसर (जालंधर ब्रीज).** पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर आई.एस.आई. समर्थित सीमा पार के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। आरोपी के कब्जे से चार पी-86 हैंड ग्रेनेड और गोलियों सहित दो विदेशी पिस्तौल बरामद किए गए हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागर सिंह के रूप में हुई है, जो अमृतसर के गल्लूवाल गांव का रहने वाला है। यह कार्रवाई स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर और एसएसओसी मोहाली द्वारा संयुक्त रूप से की गई। एआईजी सुखमिंदर सिंह मान

ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान से हैंड ग्रेनेड और हथियारों की एक खेप भेजी गई है, जिसे भारत में सक्रिय मॉड्यूल के स्थानीय सहयोगियों ने प्राप्त कर लिया है और वे आतंकी हमले की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन चलाया गया, जिसके दौरान आरोपी सागर सिंह को अमृतसर के खासा-राम तीर्थ रोड से गिरफ्तार किया गया। थाना एसएसओसी अमृतसर में एफआईआर नंबर 22, दिनांक 15.04.2026 दर्ज की गई है।

## रिश्वत लेते पटवारी को रंगे हाथों पकड़ा

**लुधियाना (जालंधर ब्रीज).** पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान माल दफ्तर पायल, जिला लुधियाना में तैनात पटवारी हरकिंदर सिंह को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को तहसील पायल, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो थाना आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

### रिश्वत लेने के आरोप में कानूनगो गिरफ्तार

**नवांशहर (जालंधर ब्रीज).** पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जिला एस.बी.एस. नगर की तहसील बलाचौर, सर्कल काठगढ़ में तैनात कानूनगो रमन कुमार को 33,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी एसबीएस नगर के एक निवासी द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना जालंधर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है।

### 6,000 रुपये रिश्वत लेते प्रिंसिपल को पकड़ा

**लुधियाना (जालंधर ब्रीज).** पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अपनी मुहिम के दौरान कैंप खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अजीतसर मोही, जिला लुधियाना (सरकारी सहायता प्राप्त) में तैनात प्रिंसिपल गुरमीत सिंह को 6,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव मोहित, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के पुलिस थाना लुधियाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

# भारत का फार्मा सेक्टर : नवाचार और युवाओं के लिए नया आकाश

**जालंधर ब्रीज.** भारत आज दुनिया की 'फार्मेसी' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक 'नवाचार-आधारित' वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है। भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित 10,000 करोड़ रुपये की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा।

**अनुप्रिया पटेल**
(लेखिका स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।)

आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है। वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थैरेप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल 'जॉब सीकर' नहीं बल्कि 'जॉब क्रिएटर' और नवाचारी बनेंगे।

बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी 'स्किल गैप' को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी, तब तक हम 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। औषधि क्षेत्र का विकास जीडीपी बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव हमारे युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के कंधों पर है। नाईपर का विस्तार और बजट में किए गए प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं। हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां एक छात्र अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर बदलाव ला सके। भारत के औषधि क्षेत्र का यह स्वर्णिम युग हमारे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, जो प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

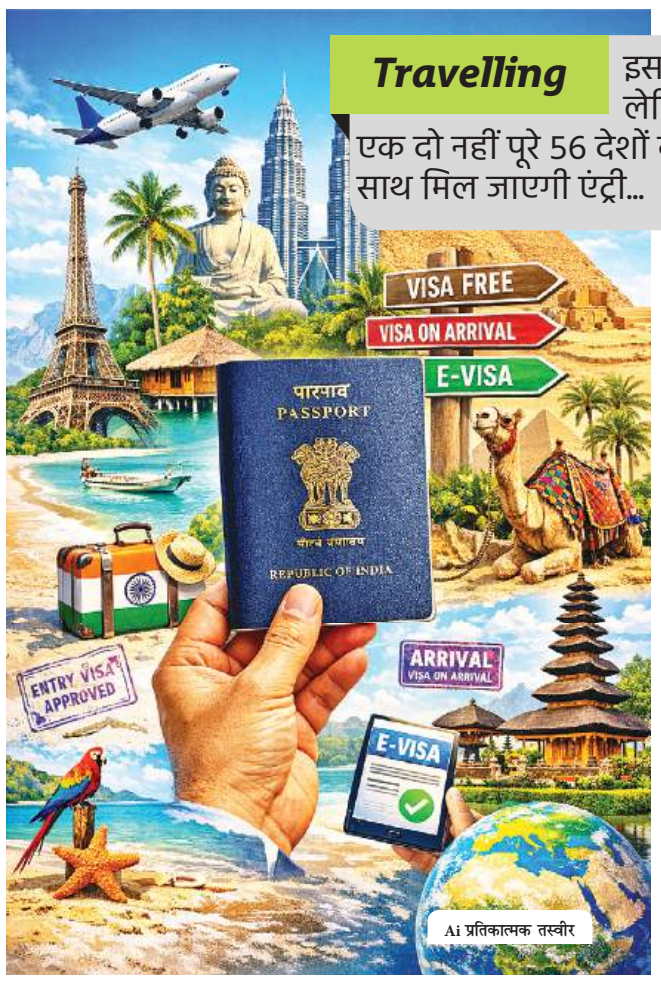


**Travelling** इस साल इंटरनेशनल ट्रिप का प्लान बना रहे लेकिन वीजा बनवाने का झंझट नहीं चाहते तो एक दो नहीं पूरे 56 देशों की सैर कर सकते हैं। इंडियन पासपोर्ट के साथ मिल जाएगी एंट्री...

# इंडियन पासपोर्ट से 56 देशों में बगैर वीजा ट्रैवल कर सकते हैं

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

इंटरनेशनल ट्रिप का प्लान बना रहे तो सबसे पहले वीजा बनवाने का ख्याल आता है। क्योंकि ज्यादातर देशों के लिए वीजा का प्रोसेस होने में काफी टाइम लगता है। लेकिन आपको जानकारी होनी चाहिए कि अगर आपके पास ऑर्डिनरी इंडिया का पासपोर्ट है तो आप एक दो नहीं पूरे 56 देशों में ट्रैवल कर सकते हैं और आपको पहले से वीजा लेने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। तो अभी तक आप केवल नेपाल, भूटान, दुबई, थाईलैंड देशों के नाम ही जानते थे तो आज जान लें वो कौन से देश हैं जहां पर आप वीजा लिए बगैर ट्रैवल कर सकते हैं। ग्लोबल पासपोर्ट रैंकिंग में इंडिया का पासपोर्ट 75वें पोजीशन पर है। जिससे इंडिया के पासपोर्ट होल्डर को पूरे 56 देशों में ट्रैवल करने की इजाजत है। इन 56 देशों में जाने के लिए पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी। इन देशों में ट्रैवल के लिए इंडियन सिटीजन के लिए वीजा की सुविधा 3 कैटेगरी में डिवाइड है।

**वीजा फ्री एंट्री**
**वीजा ऑन अराइवल**
**ई-वीजा**

**इन देशों में है वीजा फ्री एंट्री**

इंडियन सिटीजन है और इंडिया का पासपोर्ट पास में है तो इन देशों में बगैर वीजा लिए ही एंट्री मिल जाएगी। अगर आप लास्ट टाइम पर डेस्टिनेशन डिसाइड कर ट्रैवल करना चाहते हैं तो इन देशो में ट्रिप का प्लान बना सकते हैं।

**एशिया-** भूटान, कजाकिस्तान, मकाऊ (SAR चीन), मलेशिया, नेपाल

**अफ्रीका-** अंगोला, मॉरीशस, रवांडा, सेनेगल।

**कैरेबियन कंट्रीज-** बाराबाडोस, ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड्स, डोमिनिका, ग्रेनाडा, हैती, जमैका,मान्टसैराट, सेंट विन्सेंट एंड द ग्रेनेटाइंस, त्रिनिदाद एंड टोबैगो।

**ओशिनिया-** कुक आईलैंड, फिजी, किरीबाती, माइक्रोनेशिया, वनातु, नियु।

**मिडिल ईस्ट-कतर**

**ई-वीजा लेकर पहुंचे ये कंट्री**

कुछ देशों में इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन की मदद से पहुंचा जा सकता है। इसमे कुछ देश ऐसे होते हैं जहां पर ट्रैवल के लिए इंडियन

सिटीजन को केवल एक प्री ऑनलाइन अप्रूवल लेना होता है। जो मात्र कुछ घंटों में प्रोसेस हो जाता है। इन देशों में ई-वीजा लेकर पहुंच सकते हैं-

**केन्या, सेशेल्स, सेंटकिट्स और नेवीस**
**वीजा ऑन अराइवल**

दुनियाभर के कुछ देश ऐसे हैं जहां पर इंडियन पासपोर्ट के साथ आप पहुंचकर एयरपोर्ट या देश के बॉर्डर वीजा बनवा सकते हैं। एशिया, अफ्रीका जैसे अलग-अलग महाद्वीप के इन देशों में इंडियन वीजा ऑन अराइवल पर ट्रैवल कर सकते हैं।

**एशिया-** कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मालदीव, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, तिमोर लेस्ते( ये छोटी सी कंट्री इंडोनेशिया से अलग हुई है और इसकी राजधानी का नाम दिली है)

**अफ्रीका-** बुरुंडी, केप वरदे आईलैंड, कोमोरो आइलैंड, जिबूती, इथोपिया, मेडागास्कर, मोजैम्बिक, गिनी बिसाऊ, सिएरा लियोन, तन्जानिया, जाम्बिया, जिम्बाब्वे।

**ओशेनिया-** मार्शल आईलैंड,पालाउ आईलैंड, सामोआ, तुवालू

**मिडिल ईस्ट- जॉर्डन**

**कैरेबिनयन कंट्री- सेंट लूसिया**

तो अगर इस साल इंटरनेशनल ट्रिप करने का प्लान है तो इन देशों में बगैर वीजा बनवाने के झंझट के आराम से ट्रैवल कर सकते हैं।

## LIFE MANTRA

# हर पति-पत्नी को अपनाना चाहिए 5-5-5 रूल, कभी नहीं होगी खटपट और रिश्ते में बना रहेगा रोमांस

पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार के साथ तकरार होना आम बात है लेकिन जब बात ज्यादा बढ़ जाए तब रिश्ते में दरार आने लगती है। ऐसी नौबत ना आए उसके लिए आप 5-5-5 रूल फॉलो करें। चलिए बताते हैं रिलेशनशिप के लिए 5-5-5 रूल क्या...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

पति-पत्नी का रिश्ता प्यार और तकरार का खूबसूरत मिश्रण होता है। छोटे-मोटे मतभेद हर रिश्ते में आते हैं, लेकिन जब ये तकरार बार-बार होने लगे, तो धीरे-धीरे रिश्ते की मजबूती पर असर पड़ने लगता है। आज के समय में जब ज्यादातर हस्बैंड-वाइफ दोनों ही वर्किंग होते हैं, तो समय की कमी और जिम्मेदारियों का बोझ रिश्तों में दूरी ला सकता है।

ऐसे में कई बार पार्टनर को महसूस होने लगता है कि अब रिश्ता पहले जैसा नहीं रहा, न ही पहले जैसा रोमांस बचा है। लेकिन अच्छी बात ये है कि थोड़ी समझदारी और सही अप्रोच से इस स्थिति को बदला जा सकता है। अगर आपके रिश्ते में भी प्यार कम और तकरार ज्यादा हो गई है, तो आपको 5-5-5 रूल जरूर अपनाना चाहिए। यह एक आसान लेकिन बेहद असरदार तरीका है, जो पति-पत्नी के बीच फिर से कनेक्शन, समझ और रोमांस को मजबूत बनाने में मदद करता है।

**क्या है 5-5-5 रूल?**

5-5-5 रूल एक सिंपल लेकिन पावरफुल रिलेशनशिप फॉर्मूला है, जो पति-पत्नी के बीच प्यार, कनेक्शन और समझ को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। रिलेशनशिप एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर हस्बैंड-वाइफ एक दूसरे को अपनी बात रखने का 5-5-5 मिनट समय दें तो सभी मसले आसानी से सुलझ सकते हैं। इस रूल से फिर तकरार नहीं होगी और दोनों एक दूसरे की हर बात को समझ सकेंगे।

**कैसे करना है फॉलो**

1- पहले 5 मिनट वाइफ अपनी बात कहेंगी, फिर अगले 5 मिनट में हस्बैंड अपनी राय रखेंगे। ऐसे आप दोनों एक दूसरे की सोच-समझ को जान लेंगे। किसी भी बात पर लड़ाई हो उसे इस तरह से बात करके सुलझा सकते हैं।

2- 5 मिनट के रूल में आप क्वालिटी टाइम भी ले सकते हैं, जैसे 5 मिनट की वॉक, चाय डेट, एक दूसरे को हग करना या फिर रिश्ते में रोमांस का तड़का लगाना। बस आपको रूल में यही फॉलो करना है कि 5 मिनट का समय तय हो, ज्यादा समय बीत जाएगा तो भी कोई हर्जा नहीं है। लेकिन 5 मिनट वाली चीजें थोड़ा मजेदार रहती है और बोरियत नहीं होती।

3- तीसरे 5 का मतलब है कि 5वें हफ्ते या हर महीने में एक ट्रिप आप दोनों प्लान करें। इस ट्रिप के जरिए आप क्वालिटी टाइम बिता पाएंगे और ऐसे में आप दोनों रोजमर्रा की जिम्मेदारियों से दूर होकर साथ अच्छा समय बिता पाएंगे।

**कैसे है फायदेमंद**

5-5-5 रूल से रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप खत्म होता है, रिश्ते में रोमांस बना रहता है। साथ ही आपको पार्टनर के साथ और समय की वैल्यू भी पता चल जाती है। इस रूल जरिए आप रिलेशनशिप में आ रहा तनाव और गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं।

**रूल काम ना करें तो क्या करें?**

अगर आपके केस में ये रूल काम ना कर रहा हो तो खुद को सोचने-समझने का थोड़ा समय दें। छुट्टी लेकर वेकेशन पर जाएं, जहां आपको क्वालिटी टाइम बिताने को मिलेगा। कई बार रिश्ता या लोग गलत नहीं होते, हालात और समय जिम्मेदार हो जाते हैं। इसका सीधा असर पति-पत्नी के रिश्ते पर पड़ता है।

# आम-नारियल से बनाएं हेल्दी बिना शुगर वाली आइसक्रीम, स्वाद ऐसा कि हर कोई पूछेगा रेसिपी

आम और नारियल से घर पर बिना चीनी वाली आइसक्रीम बनाकर तैयार की जा सकती है। अगर आप भी इस फ्लेवर की आइसक्रीम का स्वाद चखना चाहते हैं तो यहां सीखिए आम-नारियल से बनने वाली आइसक्रीम की रेसिपी।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

आम का सीजन आ गया है और फिल्हाल अल्फांसो, केसर, सफेदा और बादामी आम मार्केट में खूब मिल रहा है। खट्टे-मीठे स्वाद वाले इन आमों का स्वाद शेक के अलावा आइसक्रीम में भी अच्छा लगता है। अगर आप हेल्थ फ्रीक हैं या फिर शुगर अवॉइड करते हैं तो आम की मदद से टेस्टी आइसक्रीम तैयार करें। ये स्वाद में अच्छी लगती हैं और सिर्फ दो चीजों से बनकर तैयार हो जाती हैं। नोट करें आम और नारियल वाली आइसक्रीम की रेसिपी।

**आम और नारियल की आइसक्रीम बनाने के लिए आपको क्या चाहिए**

- एक पका हुआ आम
- आध कम फुल फैट नारियल का दूध
- एक चम्मच चिया सीड्स

**आम और नारियल की आइसक्रीम कैसे बनाएं :** आम और नारियल की आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले आम को अच्छे से धोकर 15 से 20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। फिर इस आम को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन टुकड़ों को फ्रिजर में कम से कम 2 घंटे के लिए रख दें, ताकी ये टुकड़े पूरी तरह से जब जाएं। फिर इन जमे हुए आम के टुकड़ों को एक ब्लेंडर जार में डालें और नारियल के दूध के साथ अच्छे से ब्लेंड कर लें। एक स्मूद पेस्ट तैयार करने के बाद इसमें चिया सीड्स मिलाएं। अब इस आइसक्रीम को कम से कम एक घंटे के लिए फ्रिज में रखें। आइस्क्रीम जमने के बाद इसे सर्व करें। सर्व करते समय इसके ऊपर आम के टुकड़े और नारियल कद्दूकस करके डालें।

**घर पर बना सकते हैं नारियल का दूध :** घर पर नारियल का दूध बनाने के लिए सबसे पहले फ्रेश नारियल लें। फिर उसका पानी निकाल दें और सफेद भाग को निकाल लें। नारियल के पीछे लगी ब्राउन परत को भी छील कर निकाल दें। अब नारियल के टुकड़ों को ब्लेंडर में डालें और इसके साथ एक कप गुनगुना पानी मिलाकर पीस लें। इसकी मलाईदार कंसिस्टेंसी होनी चाहिए। फिर बारीक सूती कपड़े में मिक्स को डालें और हाथों से दबाकर सारा दूध निचोड़ लें। इसे कांच की बोतल में भरकर फ्रिज में 2 से 3 दिन तक रख सकते हैं, ये ताजा रहता है।

# पैरेंट्स ध्यान दें! अपने पढ़ाई-करियर को ले कर सीरियस नहीं है बच्चा तो जरूर बताएं ये बातें

**PARENTING**

**जालंधर ब्रीज (फीचर) .** हर पेरेंट्स की चाहत होती है कि उनका बच्चा अपने करियर को ले कर सीरियस रहे और सही दिशा में आगे बढ़े। लेकिन आज के समय में 15-16 साल के कई बच्चे अपने फ्यूचर को लेकर कन्फ्यूज या लापरवाह नजर आते हैं। जिसकी वजह से पेरेंट्स भी कई बार फ्रस्ट्रेट हो जाते हैं। पेरेंटिंग कोच के अनुसार, इस उम्र में बच्चों को कुछ जरूरी बातें अगर सही समय पर समझा दी जाएं, तो उनका सोचने का तरीका काफी हद तक बदल सकता है।

**फ्यूचर आज से बनता है, बाद में नहीं :** पेरेंटिंग कोच का कहना है कि आप अपने बच्चे को साफ शब्दों में समझाएं कि फ्यूचर कोई अचानक बनने वाली चीज नहीं है। जो वह आज कर रहा है, वही धीरे-धीरे उसका आने वाला कल तय करेगा। अगर वह आज समय बर्बाद करेगा, तो आगे भी वही आदत जारी रहेगी। इसलिए उसे बताएं कि हर दिन की छोटी मेहनत ही बड़े रिजल्ट लाती है।

**क्लेरिटी सोचने से नहीं, करने से आती है :** अक्सर बच्चे कहते हैं कि उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना है। कोच का कहना है कि ऐसे में बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि सिर्फ बैठकर सोचने से रास्ता नहीं मिलता, बल्कि कुछ ना कुछ करते रहना चाहिए। छोटे-छोटे काम शुरू करने से धीरे-धीरे उन्हें खुद समझ आने लगेगा कि उन्हें किस दिशा में जाना है। इसलिए सिर्फ सोचने के बजाय एक्शन लेना ही सबसे जरूरी है।

**अपने भविष्य की तस्वीर खुद बनाओ :** अपने बच्चे को कहें कि वह अपनी आने वाली जिंदगी की कल्पना करे। वह किस तरह का जीवन चाहता है, कहां रहना चाहता है और किस तरह के लोगों के साथ रहना चाहता है। जब यह तस्वीर साफ होगी, तभी वह उस दिशा में काम करना शुरू करेगा।

**आदतें ही पर्सनैलिटी बनाती हैं :** अगर अभी से टालमटोल और आलस बच्चे की आदत बन गई, तो आगे चलकर यही उसकी पर्सनैलिटी बन जाएगी। इसलिए बच्चे को ये जरूर समझाएं कि छोटी-छोटी अच्छी आदतें जैसे समय पर पढ़ाई करना, जिम्मेदारी लेना और अनुशासन में रहना बहुत जरूरी हैं।

**औसत मेहनत से औसत जिंदगी मिलती है :** पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि आज की दुनिया में कॉम्पिटिशन बहुत ज्यादा है। अगर आपका बच्चा सिर्फ जितना जरूरी है उतनी ही मेहनत करेगा यानी एवरेज मेहनत करेगा, तो उसे लाइफ में भी सब कुछ एवरेज ही मिलेगा। इसलिए बच्चे को ये समझाएं कि बेहतर जिंदगी पाने के लिए उसे दूसरों से थोड़ा ज्यादा मेहनत करनी होगी। यही फर्क आगे जाकर उसके लिए बड़ी सफलता लेकर आएगा।

*डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

# गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए खाएं ये 5 पानी वाले फल, रहेंगे एनर्जेटिक और पेट रहेगा ठंडा

**Health** गर्मियों में पानी की कमी से शरीर डिहाइड्रेटेड होने लगता है। ऐसे में सही हाइड्रेशन के लिए आपको पानी वाले फल अपनी डायट में शामिल करने चाहिए। हेल्थ कोच से जानें डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए 5 पानी वाले फल...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

गर्मियों में ताजे फल आपको कई फायदे पहुंचा सकते हैं। खासतौर से वह फल जिनमें पानी की मात्रा अच्छी होती हो। पानी वाले फल आपको डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाते हैं। इस दिक्कत से बचना न केवल आपकी एनर्जी के लेवल को बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि यह आपके अंगों के सही कामकाज के लिए भी जरूरी है। हेल्थ कोच रायन फर्नांडो ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में पानी वाले फलों के बारे में बताया।

एक्सपर्ट कहते हैं कि गर्मियों में ज्यादातर लोग पानी ज्यादा पीने लगते हैं, लेकिन फिर भी एनर्जी की कमी महसूस करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर में पानी की मात्रा का सही इस्तेमाल होना सिर्फ पानी की मात्रा पर निर्भर नहीं करता बल्कि इस बात पर भी डिपेंड करता है कि शरीर उसका सही इस्तेमाल कैसे करता है। इसलिए ऐसे मौसमी फलों को डायट में शामिल करना चाहिए जिनमे पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स, फाइबर और थोड़ी मात्रा में नेचुरल शुगर होती है। ऐसे फल शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखने और अचानक थकान को रोकने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट ने 5 पानी वाले फलों के बारे में बताया है जो गर्मियों के लिए बेस्ट हैं। जानिए-

1) तरबूज - तरबूज में 92 प्रतिशत पानी होता है। इसमें लाइकोपीन भरपूर मात्रा में होता है,ये एक तरह का एंटीऑक्सिडेंट है। गर्मी में ये हीट स्ट्रेस कम करने का काम करता है। ये फल फ्लूयड बैलेंस करने में भी मदद करता है। मिड मॉर्निंग या फिर पोस्ट वर्कआउट के बाद इस फल को खाएं। एक दिन में 200 से 300 ग्राम खा सकते हैं।

2) ताड़गोला - समुद्री जगहों पर मिलने वाला ताड़गोला में 90 प्रतिशत पानी होता है। शरीर से गर्मी निकालने का काम करता है और नेचुरली ठंडक बनाए रखता है। दोपहर के समय इसका एक या दो पीस खा सकते हैं।

3) खरबूजा - बाकी फलों की तरह खरबूजे में भी 90 प्रतिशत पानी होता है। ये एक ठंडा फल है जो बॉडी के तापमान को रेगुलेट करने का काम करता है। पाचन के

लिए भी ये फल हल्का होता है। दोपहर के समय इस फल को खाना सबसे अच्छा है।

4) आड़ - आड़ू में 89 प्रतिशत पानी होता है, ये गट हेल्थ को सपोर्ट करता है और हाइड्रेशन में मददगार होता है। इस फल को आसानी से पचा सकते हैं। एक्सपर्ट एक से दो छोटे साइज के आड़ू खाने की सलाह देते हैं। इसे मिड मॉर्निंग या मिड ईवनिंग में खा सकते हैं।

5) संतरा - विटामिन सी से भरपूर संतरे में 86 से 87 पर्सेंट पानी होता है। इसमें पोटेशियम की मात्रा अच्छी होती है इसलिए ये इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस करने में भी मददगार होते हैं। ये थकान को कम करने में मदद करते हैं। मिड मॉर्निंग में इस एक या दो संतरा खा सकते हैं, इसके जूस को अवॉइड करें।

*डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

# भारत द्वारा वित्तपोषित भूटान की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना पर 7 वर्षों के बाद काम फिर से शुरू हुआ

*• 10 अप्रैल, 2026 को कंक्रीट डालने का समारोह अगले पांच वर्षों में परियोजना के पूरा होने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि*

*• यह परियोजना जलविद्युत परियोजनाओं और सतत विकास में भारत-भूटान की मित्रता और सहयोग का प्रतीक*

**• जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

पुनात्सांगचू-I जलविद्युत परियोजना (पीएचईपी-I) पश्चिमी भूटान के वांगडुफोड्रंग जोंगखाग में पुनात्सांगचू नदी पर रन-ऑफ-द-रिवर योजना है। पीएचईपी-I की स्थापित क्षमता 1200 मेगावाट है और यह प्रति वर्ष औसतन 5670 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन करेगी।

पीएचईपी-I भूटान में चल रही सबसे बड़ी परियोजना है। एक बार पूरा हो जाने पर इससे भूटान की जलविद्युत क्षमता में लगभग 30% की वृद्धि होगी और यह लगभग 4700 मेगावाट हो जाएगी और प्रति वर्ष औसतन 5,670 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा।

भारत सरकार इस परियोजना को वित्तपोषित कर रही है। वित्तपोषित राशि में 40% अनुदान और 60% ऋण शामिल है।

पीएचईपी-I द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली भारत को दोनों देशों द्वारा निर्धारित मूल्य पर बेची जाएगी जिस पर परियोजना आरंभ होने के समय सहमति होगी।

निर्माण कार्य 11 नवंबर 2008 को शुरू हुआ था और आरंभिक तौर पर परियोजना से उत्पादन आरंभ होने का समय नवंबर 2015 निर्धारित किया गया था।

हालांकि, परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान, सतह और भूमिगत कार्यों में महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिसके कारण डिजाइन में कई बदलाव करने पड़े। 2013 से बांध के दाहिने किनारे की ढलान के अस्थिर होने के कारण बांध के निर्माण कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप बांध के जारी कार्यों को 2019 से निलंबित कर दिया गया। दोनों सरकारों और संबंधित एजेंसियों ने कई बैठकों में और अध्ययनों के द्वारा इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। 31 जुलाई 2025 को दोनों सरकारें बांध निर्माण को फिर से शुरू करने और दाहिने किनारे की ढलान को स्थिर करने पर सहमत हुईं। लगभग सात वर्षों के बाद, 10 अप्रैल 2026 को वांगडू फोड्रंग में 1,200 मेगावाट की पुनात्सांगचू-I जलविद्युत परियोजना का काम बांध निर्माण आरंभ होने के साथ फिर शुरू हो गया है। विद्युत, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और भूटान के ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री जेम शेरिंग ने 10 अप्रैल 2026 को शिलान्यास समारोह में भाग लिया - जो इस विशाल परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रमुख भूवैज्ञानिक चुनौतियों के कारण 2019 से बांध निर्माण कार्य रुका हुआ था। बांध निर्माण और दाहिने तटबंध ढलान स्थिरीकरण कार्यों के पूरा होने पर अगले पांच वर्षों के भीतर परियोजना से उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। भौतिक और वित्तीय प्रगति (28 फरवरी 2026 तक): सीसीईए द्वारा अनुमोदित लागत (दिसंबर 2013 पीएल): रु. 9375.57 करोड़

वित्तीय प्रगति: 8785.19 करोड़ रुपये (93.70%), भौतिक प्रगति: 87.75%

संशोधित लागत अनुमान (आरसीई) सीईए और सीडब्ल्यूसी के साथ जांच के अधीन है।

# भारत की औषधि रणनीति : पैमाने से नवाचार की ओर, बायोफार्मा हब बनने की राह

**• जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण 'विश्व की फ़ार्मेसी' के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके।

**जगत प्रकाश नड्डा**
(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री हैं)

केंद्रीय बजट 2026-27 में ₹10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विज़न गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव- औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग-अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंज़ाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है।

# सही समय : महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

**• जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरें घुमायीं और गिनती की। वहां मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है।मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुत्तूर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूं। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहां की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को वैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है।

**शोभा करंदलाजे**
(लेखिका केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्यमंत्री हैं)

भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पायीं हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन कागज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना बेहद जरूरी है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्येक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है।

**दुष्चक्र को तोड़ना :** मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को "अपनी योग्यता के बल पर" आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूं। लेकिन इस आधार को खारिज करती हूं। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं।

**पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं** - सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक - ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिनके पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।

**आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है :** जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ और अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं।

**नीतिगत दृष्टि से इसके मायने :** सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ये आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी।

# 'विकसित भारत' के सपने और उच्च नैतिकता का एक उत्कृष्ट संगम 'मिज़ोरम'

**• जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का विजन केवल भारत के मैदानी राज्यों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वोत्तर के घने जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में भी उनके इस विजन की झलक देखने को मिलती है। वास्तव में, यह पूरे देश के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के साथ-साथ अपनी अनूठी संस्कृति के लिए जाने जाने वाले मिज़ोरम राज्य में भी दिखाई देता है।

अब तक मिज़ोरम अपने अद्वितीय शिष्टाचार और ईमानदारी के लिए जाना जाता था। लेकिन अब से, यह कभी साकार न होने वाले सपने को दृढ़ संकल्प के साथ वास्तव में साकार करने के लिए भी जाना जाएगा। दरअसल, अपनी चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के कारण मिज़ोरम की धरती पर रेलवे लाइन का सपना देखना तो दूर, शायद सोचा भी नहीं जा सकता था। लेकिन 13 सितंबर, 2025 का दिन मिज़ोरम राज्य के लिए एक ऐतिहासिक दिन सिद्ध हुआ। यह वह दिन था जब माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर मिज़ोरम को भारतीय रेल के राष्ट्रीय नक्शे पर स्थापित किया। उनके हाथ में लहरा रही हरी झंडी ने यह भी साबित कर दिया कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण, साहस और अपने देशवासियों की सेवा के लिए कुछ कर दिखाने का जज़्बा हर कठिन से कठिन बाधा को भी विफल करके सपनों को साकार कर सकता है।

यूं तो यह बेराइवी से सारंग तक की सिर्फ 51.38 किलोमीटर की रेल लाइन है। लेकिन पहाड़ों में जिस वैज्ञानिक तरीके से करीब 45 सुरंगों और 88 पुलों को बनाकर यह रेल लाइन बिछाई गई है, उसे देखकर हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। इस रेल लाइन पर ट्रेनों का परिचालन शुरू हुए अभी करीब 200 से अधिक दिन ही हुए हैं, लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम मिज़ोरम को मिलने शुरू हो गए हैं। बेराइवी से सारंग तक, जहाँ सड़क मार्ग से चार से पांच घंटे का समय लगता था, वहीं यह यात्रा रेल मार्ग से केवल डेढ़ घंटे की रह गई है। यह रेल लाइन उत्तर भारत की कालका-शिमला रेल लाइन जैसी रमणीयता तो प्रदान करती ही है, बल्कि इसके माध्यम से पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार आदि के क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिला है। शुरुआती दिनों में, इस रेल लाइन के माध्यम से, विशेषकर सीमेंट, बजरी और रेत का परिवहन होने के कारण, इनकी कीमतें पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। राज्य में निर्माण कार्यों की गति पहले की तुलना में तेज हो गई है।

**डॉ. विक्रम सिंह**
(लेखक भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय में भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं।)

मिज़ोरम के परिवहन क्षेत्र का विकास अटूट हिम्मत का प्रतीक तो है ही, बल्कि खुशदिल लोगों का यह प्रदेश शिष्टाचार और ईमानदारी का सबक भी सिखाता है। करीब ग्यारह लाख की आबादी वाले इस प्रदेश के चाहे सबसे अधिक आबादी (करीब पांच लाख) वाले शहर आइजोल चले जाओ या इसके बाकी दस जिलों की किसी भी गली में जाओ, वहाँ लोगों के व्यवहार में 'पहले आप' वाला शिष्टाचार हर जगह महसूस होगा।

इस राज्य की सड़कों पर दौड़ते वाहनों से कभी हॉर्न की आवाज नहीं सुनाई देती। इसी कारण मिज़ोरम की राजधानी आइजोल को 'भारत की साइलेंट सिटी' का दर्जा मिला हुआ है। यहाँ सड़कों पर जाम लगते ही सभी वाहन एक कतार में खड़े नज़र आते हैं। जब कोई व्यक्ति पैदल चलते हुए सड़क को पार करने के लिए रुकता है, तो चलते हुए वाहन स्वतः सम्मानपूर्वक रुक जाते हैं। यहाँ खास बात यह है कि वाहन रोकने वाले के चेहरे पर गर्व भरी प्रसन्नता होती है, न कि माथे पर शिकन! हैरान करने वाली बात यह भी है कि यहाँ किसी सड़क पर न तो ट्रैफिक लाइटें हैं और न ही वाहनों का चालान काटने वाली पुलिस।

# पहुंच से प्राधिकार तक : नारीशक्ति को अगले दशक का भारत का निर्णायक सुधार बनाना

**• जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

पिछले एक दशक में, भारत ने कुछ वैसा किया है जिसे कुछ ही देश बड़े पैमाने पर हासिल कर पाए हैं। भारत ने महिला सशक्तिकरण को इरादों से आगे जाकर बुनियादी ढांचे में बदल दिया है। यह बदलाव कोई अनायास नहीं हुआ। यह सुनियोजित था। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, नीतिगत रूप से महिलाओं को विकास के केन्द्र में अधिक से अधिक रखा गया। ऐसा यह मानते हुए किया गया कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो पूरी अर्थव्यवस्था में तेजी आती है।

**डॉ. संगीता रेड्डी**
(लेखिका अपोलो हॉस्पिटल्स में संयुक्त प्रबंध निदेशक हैं)

इसके नतीजे सामने हैं। और इन नतीजों को मापा जा सकता है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 57 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। इन खातों में से 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के हैं। इस कदम से लाखों लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में पहली बार कदम रखने का मौका मिला है। लगभग 10 करोड़ महिलाएं, 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित होकर, जमीनी स्तर पर उद्यमिता और स्थानीय आर्थिक मजबूती का वाहक बन रही हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 10.5 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुंच चुकी है। इससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हुए हैं और महिलाओं को अधिक समय लेने वाले श्रम से मुक्ति मिली है। ऋण तक पहुंच बढ़ी है और मुद्रा योजना के तहत दिए गए लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को मिले हैं। महिला श्रमशक्ति की भागीदारी बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत हो गई है। इससे महिलाओं की भागीदारी में लंबे समय से चला आ रहा गिरावट का रुझान अब उलट गया है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जैसे कार्यक्रमों ने जीवन के महत्वपूर्ण चरणों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बढ़ाया है और नाजुक स्थितियों में कमी लाई है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने समाज में गहराई से पैठी सोच को बदलना शुरू कर दिया है। अलग-अलग, ये सभी कार्यक्रम बेहद ठोस हैं। समग्र रूप से देखा जाए तो, ये कार्यक्रम भारत में महिलाओं को देखने के नजरिए में आए एक संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं। महिलाओं को अब मात्र समर्थन पाने वाली के बजाय विकास के वाहक के रूप में देखा जा रहा है। नीति निर्माताओं और प्रशासकों के लिए, इसके सबक बिल्कुल साफ हैं: जब डिजाइन, कार्यान्वयन और जवाबदेही व्यवस्थित हों, तो व्यापक स्तर पर काम करना संभव होता है।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपने काम के दौरान, मैंने देखा है कि जब प्रणालियां सैद्धांतिक मॉडलों के बजाय वास्तविक जरूरतों पर आधारित होती हैं, तो नतीजे बेहतर होते हैं। यही सिद्धांत यहां भी लागू होता है। जहां पहुंच सरल होती है, जहां वितरण में निरंतरता होती है और जहां नतीजों पर नजर रखी जाती है, वहां असर बिल्कुल साफ नजर आता है। फिर भी, अगले चरण में और भी अधिक ध्यान देने की जरूरत होगी। क्योंकि हमारे सामने चुनौती अब नीति निर्माण की नहीं, बल्कि नीति के कार्यान्वयन की है। कार्यक्रमों की व्यापकता के बावजूद, जागरूकता संबंधी कमजोरियां बनी हुई हैं। इन कार्यक्रमों में शामिल होने के आंकड़े एकसमान नहीं है। अंतिम छोर तक आपूर्ति अभी भी स्थानीय क्षमता पर ही निर्भर हैं। अवसर पाने वाली प्रत्येक महिला की दृष्टि से, ऐसी कई और महिलाएं हैं जो नीतिगत कमियों की वजह से नहीं, बल्कि पहुंच की कमी के कारण हाशिए पर बनी हुई हैं।

# गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय कार्यक्रम में प्रो. डॉ. संजय अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी का संबोधन

**• जालंधर ब्रीज .** हरिद्वार

गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित वार्षिक समापन समारोह "क्रिमिनल लॉज़, सोसाइटी एवं रिस्पॉन्सिबिलिटी" विषय पर एक महत्वपूर्ण अकादमिक सत्र के साथ गरिमापूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं विशेषज्ञों ने आधुनिक समाज में मानव व्यवहार, विधि व्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच बदलते संबंधों पर गंभीर विचार-विमर्श किया।

समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. बी.के.एस. संजय, पद्मश्री, अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि अपराध केवल कानूनी या न्यायिक विषय नहीं, बल्कि मूलतः मानव व्यवहार, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक परिवेश से जुड़ा एक गहन मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक विषय है। उन्होंने कहा कि हर अपराध की शुरुआत मन में उत्पन्न विचार से होती है, जो क्रमशः भावना, इरादा और अंततः क्रिया का रूप ले लेता है। अतः अपराध की प्रभावी रोकथाम के लिए व्यवहारिक जागरूकता, आत्मनियंत्रण एवं मूल्य-आधारित शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अंतर्वैयक्तिक एवं अंतर्मन संबंधी बुद्धिमत्ता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि अपराधी प्रवृत्तियां प्रायः साथियों के दबाव, सामाजिक वातावरण तथा भावनात्मक असंतुलन के कारण विकसित होती हैं।

प्रो. डॉ. संजय ने कहा कि सड़क सुरक्षा मूलतः एक व्यवहारिक दायित्व है, जहां नियमों का उल्लंघन, ओवरस्पीडिंग और रोड रेज जैसी घटनाएं केवल कानूनी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन और भावनात्मक नियंत्रण की कमी का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में सार्वजनिक सड़कों को साझा संसाधन के बजाय व्यक्तिगत अधिकार के रूप में देखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो सामाजिक टकराव और दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रही है। इसी संदर्भ में उन्होंने वैश्विक स्तर पर भी समान सोच की ओर संकेत करते हुए कहा कि रणनीतिक समुद्री मार्गों एवं अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों को भी कई बार साझा संपत्ति के बजाय नियंत्रण के दृष्टिकोण से देखा जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घर के बाहर की सड़कें हों या वैश्विक संसाधन जैसे होर्मूज जलडमरूमध्य-दोनों का उपयोग अनुशासन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि दंड व्यवस्था आवश्यक होते हुए भी प्रायः केवल परिणामों को संबोधित करती है, न कि मूल कारणों को। स्थायी समाधान के लिए जागरूकता, नैतिक शिक्षा और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।

# *आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज़*

***जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) .*** *भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत-जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से 'मेहमान' बनकर ही रह गईं।*

**आर. विमला, आईएएस**
(लेखिका महाराष्ट्र सरकार में रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रही हैं)

*हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। 'संरक्षणात्मक भेदभाव' के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है : 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ़-सफ़ाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे। वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया - वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई।*

# नए साल में नई आशा : एक भारत की भावना

**जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) .** मुझे अत्यंत हर्ष है कि मैं भारत और विश्वभर के सभी लोगों को बैसाखी, रोंगाली बिहू, महा बिषुबा पना संक्रांति, पोइला बोइशाख, विषु और तमिल पुथांडु के अवसर पर अपनी पारंपरिक नववर्ष की शुभकामनाएँ देता हूं, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाते हैं। ये सभी शुभ अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएं।

**श्री सी. पी. राधाकृष्णन**
(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

चिथिरई का महीना कृषि की तैयारियों का समय होता है। किसान अपनी ज़मीन को उपजाऊ बनाने के लिए उस पर काम करना शुरू कर देते हैं। चूंकि हमारे लोग मानते हैं कि मेहनत से ही प्रगति होती है, इसलिए वे श्रम की शुरुआत का जश्न मनाते हैं। पूरे देश में, हमें इसी तरह के उत्सव देखने को मिलते हैं, जो भारत में एकता और साझा संस्कृति के उदाहरण हैं।

उत्तर भारत में, विशेषकर पंजाब में, लोग बैसाखी को फसल उत्सव के रूप में मनाते हैं। दक्षिण में, केरल में विशु मनाया जाता है, जहां शुभ वस्तुओं (कानी) को देखना एक महत्वपूर्ण रिवाज है। असम में लोग बिहू मनाते हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख को उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

इसी प्रकार मणिपुर, त्रिपुरा, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भी लोग इस अवधि को विभिन्न पारंपरिक रूपों में नववर्ष के रूप में मनाते हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार में देशभर से श्रद्धालु गंगा में पवित्र स्नान करने के लिए एकत्र होते हैं, जो इस अवसर की पवित्रता को दर्शाता है। तेलुगु भाषी लोगों ने हाल ही में अपना नववर्ष उगादी के रूप में मनाया, जबकि मराठी और कोंकणी समुदाय अपना नववर्ष गुड़ी पड़वा के रूप में मनाते हैं। हम एक प्राचीन सभ्यता से संबंधित हैं, जिसका प्रमाण हमारे पूर्वजों के वैज्ञानिक ज्ञान से मिलता है। ब्रह्मांड के प्रति उनकी सटीक समझ इन नववर्ष उत्सवों में झलकती है। इसी प्रकार, तमिल नववर्ष एक अत्यंत विशेष अवसर है, जो हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता का उत्सव मनाता है।

# जालंधर पुलिस ने सुलझाई 'राजधन फॉरेक्स' में हुई लूट की गुत्थी, दो आरोपी गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर के थाना डिवीजन नंबर 2 कमिश्नरेट पुलिस ने लूट की बड़ी वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई रकम में से कुछ नकदी और वारदात में इस्तेमाल की गई एक्टिवा भी बरामद की है। पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बताया कि डिप्टी कमिश्नर पुलिस (इन्वेस्टिगेशन) मनप्रीत सिंह ढिल्लों और एसीपी सेंट्रल अजय सिंह की निगरानी में थाना डिवीजन नंबर 2 के प्रभारी इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह और सीआईए स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर सुरिंदर सिंह की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामला 16 अप्रैल 2026 को थाना डिवीजन नंबर 2 में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता राधा, निवासी

गोपाल नगर जालंधर, ने बताया कि 15 अप्रैल को करीब साढ़े तीन बजे वह मोहल्ला हरनामदासपुरा स्थित अपनी दुकान "राजधन फॉरेक्स एंड ट्रैवलर" में काम कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति दुकान पर आया और दिल्ली से शारजाह की टिकट तथा अमेरिकी डॉलर का रेट पूछने लगा। जब वह जानकारी दे रही थी, तभी दूसरा व्यक्ति भी पास आ गया। पहले व्यक्ति ने उसका मुंह बंद कर दिया और गल्ले में रखे 1 लाख 9 हजार रुपये लेकर दोनों फरार हो गए।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 अप्रैल को ही दोनों आरोपियों—गुरदीप सिंह निवासी निजातम नगर बस्ती नौ और अमृतपाल सिंह निवासी मिठ्ठू बस्ती, जालंधर—को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई एक्टिवा और लूटी गई रकम का कुछ हिस्सा बरामद किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने एक अन्य साथी के शामिल होने का खुलासा किया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड लिया जाएगा और उनसे अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

## पीएनबी बैंक में लूट करने वाला दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

**जालंधर (जालंधर ब्रीज).** कमिश्नरेट पुलिस जालंधर धनप्रीत कौर, कमिश्नर पुलिस जालंधर की अगुवाई में मनप्रीत सिंह ढिल्लों डीसीपी/इन्वेस्टिगेशन, राकेश कुमार यादव एडीसीपी-2 तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर दी गई हिदायतों के अनुसार अमरबीर सिंह एसीपीडी, संजय कुमार एसीपी मॉडल टाउन की निगरानी में इंस्पेक्टर सरबजीत सिंह इंचार्ज क्राइम ब्रांच और एसआई रमेश कुमार मुख्य अधिकारी थाना डिवीजन नंबर 7 कमिश्नरेट जालंधर की विशेष टीमों का गठन कर कार्रवाई की गई। बीते दिन जालंधर के मोहल्ला बैंक एन्क्लेव, खुरला किंगरा में पीएनबी बैंक में हुई लूट की वारदात के संबंध में 2 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नंबर 65 दिनांक 06.04.2026 धारा 309 (4) बीएनएसऔर 25 आर्म्स एक्ट के तहत थाना डिवीजन नंबर 7 कमिश्नरेट जालंधर में दर्ज कर तेजी से जांच की गई। कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर इस वारदात को ट्रेस कर लिया गया था। इस मामले में आरोपी सिमरनजीत सिंह उर्फ अमरीक सिंह पुत्र हरभजन सिंह निवासी मकान नंबर 577, ग्रीन मॉडल टाउन, थाना डिवीजन नंबर 6 जालंधर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके पास से एक रिवॉल्वर, 3 जिंदा कारतूस और लूटी गई रकम में से कुछ बरामद किया गया था। इसके दूसरे साथी की तलाश करते हुए आरोपी दीपक पाल उर्फ दीपु पुत्र सुरजीत पाल निवासी मकान नंबर ईएस-525/8, ट्यूबवेल वाली गली, आबादपुरा, थाना डिवीजन नंबर 6 जालंधर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

## 195 ग्राम हेरोइन और आई-20 कार समेत तस्कर गिरफ्तार

**जालंधर (जालंधर ब्रीज).** क्राइम ब्रांच कमिश्नरेट जालंधर द्वारा एक नौजवान को 195 ग्राम हेरोइन सहित गाड़ी नंबर पीबी-09-एजे-5037, मारका आई-20 (रंग सफेद) के साथ काबू किया गया। क्राइम ब्रांच कमिश्नरेट जालंधर की टीम द्वारा नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक नौजवान हनी कल्याण उर्फ हनी पुत्र शिव जी निवासी मकान नंबर 678/16, लिंक रोड, आबादपुरा, थाना डिवीजन नंबर 6 जालंधर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 195 ग्राम हेरोइन और गाड़ी नंबर पीबी-09-एजे-5037, i-20 (सफेद रंग) बरामद की गई। दिनांक 14.04.2026 को क्राइम ब्रांच कमिश्नरेट जालंधर की टीम गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार नंबर पीबी-09-एजे-5037, i-20 (सफेद रंग) को शक के आधार पर रोका गया। कार सवार से नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम हनी कल्याण उर्फ हनी पुत्र शिव जी, निवासी मकान नंबर 678/16, लिंक रोड, आबादपुरा, थाना डिवीजन नंबर 6 जालंधर बताया। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें से 195 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी हनी कल्याण उर्फ हनी के खिलाफ थाना भार्गव कैंप, जालंधर में मुकदमा नंबर 88 दिनांक 14.04.2026, धारा 21B/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव ने ऑनलाइन स्व-गणना कर डिजिटल जनगणना को बढ़ावा दिया

**चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज).** जनगणना 2027 में डिजिटल भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने गुरुवार को ऑनलाइन जनगणना पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक अपना स्व-गणना पूर्ण किया। स्व-गणना की प्रक्रिया को नवजोत खोसा, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, यूटी चंडीगढ़ तथा निशांत कुमार यादव, उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ द्वारा सुगम बनाया गया। यह पहल यूटी प्रशासन की तकनीक के माध्यम से कुशल, पारदर्शी एवं नागरिक-अनुकूल जनगणना संचालन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्य सचिव द्वारा स्व-गणना कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया है, जिससे सभी नागरिकों

को इस सरल एवं सुरक्षित डिजिटल प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। स्व-गणना के माध्यम से नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन अपने विवरण भर सकते हैं, जिससे सटीकता सुनिश्चित होती है और आमजन तथा गणनाकर्ताओं दोनों का समय बचता है। इस प्रक्रिया के दौरान मुख्य सचिव, यूटी चंडीगढ़ ने प्रभावी योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण के लिए सटीक आंकड़ों के महत्व पर जोर

# डीसी वालिया ने प्रमुख विकास प्राथमिकताओं की रूपरेखा पर डाला प्रकाश

**कहा- गेहूं की उचित खरीद, बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर दिया जाएगा ध्यान**

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने जालंधर जिले को विकास की दृष्टि से एक प्रगतिशील जिले में बदलने के लिए अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं की रूपरेखा साझा की। आज यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में स्थानीय मीडिया से बातचीत करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कृषि, बुनियादी ढांचे और बेहतर प्रशासन पर केंद्रित व्यापक रणनीति पर प्रकाश डाला।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता चल रहे गेहूं खरीद सीजन को उचित और निर्विघ्न ढंग से निपटाना है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा पहले ही जिले भर की मंडियों में गेहूं की निर्विघ्न खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। किसानों को पूर्ण सहयोग का भरोसा देते हुए श्री वालिया ने कहा कि किसानों को अपनी फसल की बिक्री में कोई दिक्कत पेश नहीं आने दी जाएगी। बुनियादी ढांचे के विकास को एक और प्रमुख प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं को मजबूत करने और चल रहे विकास प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के लिए ठोस उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले में बुनियादी ढांचे को

मजबूत करने में कोई कसर बाकी नहीं रहने दी जाएगी।

डिप्टी कमिश्नर ने पंजाब सरकार की लोक कल्याण योजनाओं को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने की महत्वता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष तौर पर 'मुख्यमंत्री मांवां-धीया सत्कार' योजना और 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के तहत लाभार्थियों का उचित रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित बनाया जाएगा।

पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध करवाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए डिप्टी कमिश्नर ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मीडिया के चौथे स्तंभ के रूप में किए जा रहे योगदान की सराहना की, जिन्होंने समय पर निपटारे के लिए जन समस्याओं को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई जा रही है।

## डिप्टी कमिश्नर ने साइक्लोथॉन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का किया आह्वान, पोस्टर जारी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने जालंधर वासियों को पंजाब सरकार की 'युद्ध नशे के विरुद्ध' पहल के तहत 18 अप्रैल को जिला प्रशासन द्वारा ए.पी.जे. स्कूल के सहयोग से आयोजित किए जा रहे 'साइक्लोथॉन 4.0' में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में 'साइक्लोथॉन 4.0' का पोस्टर जारी करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि यह प्रयास नशों के दुष्प्रभावों के बारे में बड़े स्तर पर जागरूकता फैलाने और लोगों, खासकर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए किया जा रहा है। इस मौके पर उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) दिव्या पी. भी मौजूद थी।

वालिया ने कहा कि यह साइक्लोथॉन स्वस्थ शरीर और मन के लिए नशों से दूर रहने का संदेश देते हुए नशों के गंभीर परिणामों और नशा मुक्त जीवन की महत्ता के बारे में लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया

कि साइक्लोथॉन की शुरुआत स्थानीय ए.पी.जे. स्कूल, मॉडल टाउन (गीता मंदिर के पास) से सुबह 5:30 बजे होगी और इसमें तीन श्रेणियां 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर में आयोजन किया जाएगा, ताकि प्रत्येक उम्र और क्षमता वाले लोग इसमें हिस्सा ले सकें। उन्होंने बताया कि साइक्लोथॉन में विद्यार्थियों, युवाओं, पेशेवर साइक्लिंग सवारों, फिटनेस प्रेमियों समेत पूरे पंजाब से 2000 से अधिक प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन में हिस्सा लेने के लिए https://forms.gle/eb6C4c9gGDXkTYzk8 पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

## पंजाब पुलिस, आईआईटी रोपड़ के साथ मिलकर एआई-आधारित अपराध नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करेगी

**अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में विस्तृत जानकारी अब सिर्फ 'एक क्लिक' दूर**

**चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज).** भगवंत मान सरकार ने संगठित अपराध के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रोपड़ के साथ साझेदारी करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पुलिसिंग सिस्टम लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल का उद्देश्य अपराधियों का एक व्यवस्थित डेटाबेस तैयार करना और 'गैंगस्टरां ते वार' तथा 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' जैसी मुहिमों को मजबूत करना है, ताकि पंजाब और राज्य से बाहर सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क को नष्ट किया जा सके। इस सहयोग के तहत, आईआईटी रोपड़ के साथ मिलकर राज्य सरकार एआई टूल्स का उपयोग करेगी, जिससे पंजाब पुलिस अपराधियों के नेटवर्क को प्रभावी ढंग से मैप और टारगेट कर सकेगी। इस प्रोजेक्ट के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और आईआईटी रोपड़ के बीच समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जहां एम्स मोहाली में स्थापित डेटा इंटेलिजेंस और टेक्निकल सपोर्ट यूनिट विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय करके प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाएगी।

इस साझेदारी के अंतर्गत, आईआईटी रोपड़ उन्नत सॉफ्टवेयर तैयार करेगा, जिसमें डेटा एनालिटिक्स, वॉयस रिकग्निशन तकनीक और डैशबोर्ड-आधारित मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

## पीएपी में गुप्त बैठक से आंतरिक दरारें छिपाने और नेताओं को डराने की कोशिश : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता बाजवा ने बुधवार को कहा कि पंजाब में आप की सरकार 'ताश के पत्तों की तरह बिखर रही है' और पार्टी नेताओं की हालिया गुप्त बैठक इसकी आंतरिक अस्थिरता का स्पष्ट संकेत है। बाजवा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर जालंधर के पीएपी कॉम्प्लेक्स में बंद कमरे में बैठक बुलाई ताकि पूरी गोपनीयता बनाए रखी जा सके और कोई भी जानकारी सार्वजनिक न हो। उन्होंने कहा कि पुलिस कॉम्प्लेक्स के अंदर राजनीतिक बैठक करना उन नेताओं को एक सूक्ष्म लेकिन स्पष्ट संदेश देने के लिए है जो सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। बाजवा ने कहा कि यह स्थान चुनना महज संयोग नहीं है। यह एक सोची-समझी रणनीति है जिसके जरिए पार्टी की आंतरिक दरारों को छिपाया जा रहा है और सवाल उठाने वाले नेताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। हालिया रिपोर्टों का

हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कई आप नेता निर्णय प्रक्रिया, परामर्श की कमी और पार्टी संरचना में अपनी उपेक्षा को लेकर असंतुष्ट हैं। इन मुद्दों को खुले तौर पर संबोधित करने के बजाय नेतृत्व गोपनीयता के जरिए स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है। बाजवा ने कहा कि यह तरीका आप की कमजोर आंतरिक संरचना को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि जब कोई पार्टी अपने ही नेताओं को संभालने के लिए बंद कमरे की बैठकों और दबाव की राजनीति का सहारा लेती है, तो यह उसकी ताकत नहीं बल्कि कमजोरी और डर को दर्शाता है। आप की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए बाजवा ने कहा कि 'साम, दाम, दंड, भेद' की नीति अब पंजाब में भी साफ दिखाई दे रही है।

बाजवा ने कहा कि पंजाब के लोग सब कुछ देख रहे हैं और 2027 में इसका करारा जवाब देंगे। कोई भी गोपनीयता या दबाव की राजनीति उस सरकार को नहीं बचा सकती जो तेजी से ताश के पत्तों की तरह बिखर रही है। पंजाब के लोग इस सरकार को सत्ता से बाहर कर देंगे।

## एनआईटी जालंधर में डॉ. अम्बेडकर की 135वीं जयंती और बैसाखी मनाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डॉ. बी. आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जालंधर में 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती एवं वैसाखी का उत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कन्नौजिया द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई।

इस अवसर पर प्रो. अनिश सचदेवा, डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसके बाद सेंट्रल सेमिनार हॉल में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर जी के जीवन, विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कार्यक्रम का स्वरूप वैसाखी के रंगारंग उत्सव में बदल गया, जहाँ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। विद्यार्थियों की ऊर्जावान प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया और पूरे वातावरण को उत्साह एवं उमंग से भर दिया। इस अवसर पर संस्थान ने उत्कंश समन्वयकों तथा विभिन्न संस्थागत क्लबों में सक्रिय रूप से कार्यरत विद्यार्थियों के प्रयासों को भी सराहा और उन्हें उनके समर्पण एवं योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए।

निदेशक प्रो. बि. के. कन्नौजिया ने वैसाखी की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि डॉ. अंबेडकर जी का जीवन-दर्शन समाज को समानता और समावेशिता की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे जिम्मेदार और जागरूक नागरिकों का निर्माण करें। इस अवसर पर डॉ. जगविंदर सिंह ने भी संस्थान को बधाई दी और विद्यार्थियों को निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वैसाखी उत्सव में भांगड़ा क्लब की ऊर्जावान प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को आनंद और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम का समापन टीम कल्चरल अफेयर्स की चेयरपर्सन प्रो. इंदु सैनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## नाको की राष्ट्रीय रणनीति को गति प्रदान करते हुए पंजाब ने जिला-आधारित एचआईवी प्रतिक्रिया को बल दिया

**ज़ीरकपुर (जालंधर ब्रीज).** एचआईवी नियंत्रण में अधिक प्रभाव वाले जिलों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (नाको) ने आज मोहाली के ज़ीरकपुर में एक उच्चस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में पंजाब के प्राथमिक जिलों को एक मंच पर लाकर 95-95-99 लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु लक्षित एवं डेटा-आधारित कार्रवाई को मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. राकेश गुप्ता, अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं महानिदेशक, नाको ने की। इस अवसर पर पंजाब सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री कुमार राहुल सहित राज्य एवं जिला स्तर के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डॉ. राकेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, "पंजाब जैसे राज्यों में, जहाँ इंजेक्शन से नशे का उपयोग एचआईवी संक्रमण को बढ़ावा देता है, इस स्तिथि में हमारी प्रतिक्रिया तुरंत एवं तीव्र होनी चाहिए। डेटा पर आधारित जिला-स्तरीय रणनीतियाँ तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जुड़ाव इस इस स्तिथि को बदलने के लिए बहुत जरूरी है" । उन्होंने आगे कहा कि जिलों को अधिक सशक्त बनाना एवं जवाबदेही प्रदान करना राष्ट्रीय लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर ठोस परिणामों में बदलने के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह कार्यशाला राज्यों में नाको द्वारा संचालित संरचित पहलों की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विकेन्द्रीकृत और डेटा आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च भार वाले जिलों में एचआईवी कार्यक्रम के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करना है।

# जालंधर के कृष भगत की आईपीएल 2026 के बीच मुंबई इंडियंस टीम में हुई एंट्री

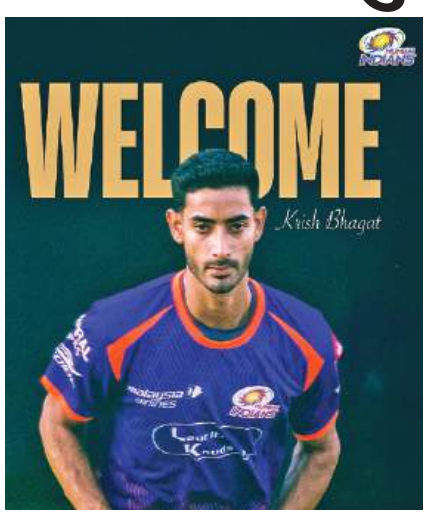


**स्पोर्ट्स डेस्क.** मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में उन्होंने आम आदमी पार्टी पंजाब के कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत के भतीजे कृष भगत को अपनी टीम में शामिल किया है। आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले अंकोलेकर के घुटने में चोट लग गई थी जिस कारण उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा था। अब 4 मैच खेलने के बाद मुंबई ने भगत को अपनी टीम में शामिल किया जिसकी आधिकारिक जानकारी फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को दी। मुंबई इंडियंस का सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है।

हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली इस टीम ने सिर्फ 1 मैच जीता है। जारी सीजन का पहला मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस लगातार 3 मैच हार चुकी है। ओपनर रोहित शर्मा भी पिछले मैच में चोटिल हो गए थें। 21 वर्षीय कृष भगत दाएं हाथ के ऑलराउंडर हैं जो घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह एक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में विविधता लाते हैं और निचले क्रम के बल्लेबाज के तौर पर भी योगदान दे सकते हैं। वह पिछले 2 सालो से मुंबई इंडियंस के ट्रायल का हिस्सा रहे हैं। कृष भगत इसी साल डीवाई पाटिल टी20 कप में रिलायंस टीम के लिए खेले थे। वह प्री-सीजन से ही टीम के साथ एक सपोर्ट बॉलर के तौर पर जुड़े रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने अपने स्टेटमेंट में बताया कि कृष ने अपनी लगन, काम के प्रति समर्पण और हर सेशन व प्रैक्टिस मैच में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से कोचिंग स्टाफ को लगातार प्रभावित किया है।

# अकाली नेता की गिरफ्तारी ने सुखबीर बादल का 'पंजाब बचाओ' ड्रामे की पोल खोली: बलतेज पन्नू

**चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज).** आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने शिरोमणि अकाली दल (बादल) पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि अकाली दल का इतिहास काले कामों से भरा है। पन्नू ने कहा कि 2007 से 2017 तक अकाली-भाजपा सरकार के दौरान पंजाब ने जो संताप झेले हैं, उनकी लिस्ट बहुत लंबी है। चाहे गोरे लोगों का काला धंधा हो, केबल माफिया हो, बस का धंधा हो या गैंगस्टर कल्चर को बढ़ावा देना हो, हर जगह अकाली नेताओं की सीधी संलिप्तता साफ दिखती थी। आज एक बार फिर उनका घिनौना चेहरा जनता के सामने आ गया है। बलतेज पन्नू ने मोगा के ताजा घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एक अकाली नेता और एमसी जगजीत सिंह जीता को देह व्यापार का धंधा चलाने के आरोप में

गिरफ्तार किया गया है। जिस होटल में लड़कियों से यह गलत काम करवाया जा रहा था, उसका मालिक जगजीत सिंह जीता है। छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से कई लड़कियां मिलीं, जिनमें एक नाबालिग लड़की का मिलना बहुत दिल दहला देने वाला और चिंता की बात है। पन्नू ने सवाल उठाया कि गिरफ्तारी के इतने घंटे बाद भी किसी बड़े अकाली नेता ने इस पर कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी? क्या उनकी चुप्पी सीधे तौर पर अपराधियों का समर्थन करना है? अकाली दल की 'पंजाब बचाओ यात्रा' पर तंज कसते हुए पन्नू ने कहा कि मोगा में इस रैली के दौरान जगजीत सिंह जीता की सीनियर अकाली नेताओं के साथ तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने पूछा कि क्या ये लोग ऐसे ही पंजाब को बचाएंगे? जिनके हाथ ऐसे धंधों से सने हैं जो मासूम लड़कियों का भविष्य अंधेरे में धकेलते हैं, उन्हें पंजाब बचाने की बात करना शोभा नहीं देता।

पन्नू ने कहा कि मोगा में पहले भी सामने आए सेक्स स्कैंडल में कई सीनियर अकाली नेताओं के नाम सामने आए हैं, जिससे साबित होता है कि यह पार्टी बुरे धंधों का गढ़ बन गई है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.